किसान मेले के आयोजन संबंधी विश्वविद्यालय में पत्रकार वार्ता आयोजित

पंतनगर। 11 मार्च 2026। विश्वविद्यालय में कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान की अध्यक्षता में 119वें अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी के आयोजन से पूर्व आज प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधियों के साथ एक बैठक का आयोजन कुलपति सभागार में किया गया। इस अवसर पर कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान के साथ निदेशक प्रसार शिक्षा डा. जितेन्द्र क्वात्रा, निदेशक शोध डा. एस. के. वर्मा, निदेशक संचार डा. जे.पी. जायसवाल एवं प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान ने बताया कि 119वें अखिल भारतीय किसान मेले की थीम 'सशक्त महिला – समृद्ध खेती' है। उन्होंने कहा कि भारतीय कृषि की प्रगति में महिलाओं की भूमिका सदैव महत्वपूर्ण रही है। खेतों में श्रम, पशुपालन, बीज संरक्षण, खाद्य प्रसंस्करण तथा परिवार और कृषि प्रबंधन जैसे अनेक क्षेत्रों में महिलाएँ निरंतर अपनी महत्वपूर्ण भागीदारी निभा रही हैं। आज आवश्यकता है कि हम उनकी इस भूमिका को और अधिक सशक्त बनाते हुए उन्हें आधुनिक कृषि तकनीकों, प्रशिक्षण, वित्तीय संसाधनों और उद्यमिता के अवसरों से जोड़ें। जब ग्रामीण महिला सशक्त होगी, तभी खेती वास्तव में समृद्ध और टिकाऊ बन सकेगी। इसके अलावा, किसानों को उन्नत धान, बागवानी एवं सब्जियों के बीज उपलब्ध कराए जाएंगे। कृषि अनुसंधान से जुड़े नवीनतम नवाचारों को प्रदर्शित किया जाएगा। उन्होंने कोदो, झिंगोरा और मंडुआ जैसी पारंपरिक फसलों की बढ़ती महत्ता और उनकी संभावित उच्च बाजार कीमतों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा विकसित तकनीकी जानकारी को और अधिक बढ़ाया जाना है, जिससे किसान उन तकनीकों को अपनी खेती में अपनाकर आय में वृद्धि कर सके। इस मेले में विश्वविद्यालय की ओर से विकसित खरीफ की विभिन्न फसलों एवं सब्जियों आदि की बीज प्रदर्शनी लगेगी।

विश्वविद्यालय द्वारा मेले में आने वाले किसानों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए व्यापक व्यवस्थाएँ की जा रही हैं। इसके साथ ही मेले में एक स्थान पर किसानों के एकत्र होने तथा स्वच्छ पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाएगी, ताकि दूर–दराज से आने वाले किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि इस किसान मेले में विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों द्वारा पिछले दो वर्षों में किए गए शोध कार्यों, नवाचारों तथा आधुनिक कृषि तकनीकों पर आधारित विशेष स्टॉल लगाया जाएगा। इस विशेष स्टॉल के माध्यम से किसानों को विश्वविद्यालय द्वारा विकसित नई फसल प्रजातियों, उन्नत बीजों तथा आधुनिक कृषि तकनीकों की जानकारी दी जाएगी, जिससे किसान सीधे तौर पर लाभान्वित हो सकेंगे।

उन्होंने कहा कि किसान मेले में उत्तराखण्ड राज्य के अलावा देश के विभिन्न राज्यों से भी बड़ी संख्या में किसान भाग लेने के लिए पंतनगर विश्वविद्यालय पहुंचेंगे। किसान यहां विश्वविद्यालय द्वारा विकसित नवीन प्रजातियों, शोध कार्यों एवं तकनीकों की जानकारी विभिन्न अनुसंधान केन्द्रों से विशेषज्ञों से सीधे संवाद कर प्राप्त कर सकेंगे। चार–दिवसीय इस किसान मेले के दौरान किसान गोष्ठियों का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक किसानों की समस्याओं को सुनेंगे तथा उनके समाधान के लिए वैज्ञानिक सलाह और मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। विश्वविद्यालय प्रशासन को उम्मीद है कि यह मेला किसानों के लिए नई तकनीकों और ज्ञान के आदान–प्रदान का महत्वपूर्ण मंच साबित होगा।

निदेशक प्रसार शिक्षा, डा. जितेन्द्र क्वात्रा ने बताया कि कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान के नेतृत्व में 119वें अखिल भारतीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का आयोजन 13 से 16 मार्च 2026 तक किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस किसान मेले में छोटे–बड़े स्टालों सहित अब तक 350 स्टाल बुक हो चुके है, जिनमें 150 बड़े एवं 200 छोटे स्टाल है और इनकी संख्या में वृद्धि होने की संभावना है। उन्होंने बताया कि इस बार किसान मेले में 18 से 20 हजार से अधिक किसानों को आने की सम्भावना है। किसानों की ठहरने की व्यवस्था मेला प्रागंण में ही किया गया है। उन्होंने बताया कि 119वें अखिल भारतीय किसान मेले कृषि एवं उद्योग प्रदर्शनी का उद्घाटन 14 मार्च 2026 को मुख्य अतिथि माननीय मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड श्री पुष्कर सिंह धामी एवं विशिष्ट अतिथि माननीय मंत्री कृषि एवं कृषक कल्याण, उत्तराखण्ड श्री गणेश जोशी, माननीय सांसद नैनीताल–ऊधमसिंह नगर श्री अजय भट्ट के साथ विधायक, विश्वविद्यालय प्रबंध परिषद के सदस्य, जिलाधिकारी ऊधमसिंह नगर एवं अन्य प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति में अपराहन 3:00 बजे किया जायेगा।

प्रेस वार्ता के प्रारम्भ में निदेशक संचार डा. जे. पी. जायसवाल द्वारा सभी का स्वागत करते हुए कहा गया कि कुलपति जी के नेतृत्व में जहां एक ओर स्टालों की संख्या उत्तरोतर बढी है वही किसानों की संख्या भी बढ़ी है। मेले को सफल बनाने में मीडिया के योगदान पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने उसी प्रकार की अपेक्षा 119वें किसान मेला को सफल बनाने के लिए भी की। बैठक के अंत में उन्होंने सभी उपस्थित प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधियों का धन्यवाद ज्ञापित किया गया।